

Indian Council of Historical Research (ICHR)

presents

Jammu, Kashmir & Ladakh

through the Ages



A Visual Narrative of Continuities and Linkages



शिक्षा मंत्रालय
MINISTRY OF
EDUCATION



10th February 2024
Invitation

Admit Two

भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

आपको सादर आमंत्रित करता है

प्रदर्शनी

जम्मू, कश्मीर एवं लद्दाखः
सांस्कृतिक निरंतरता

उद्घाटन द्वारा

श्री धर्मेन्द्र प्रधान

माननीय केंद्रीय शिक्षा तथा
कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री

शनिवार, 10 फरवरी 2024, अपराह्न 1.00 बजे

प्रदर्शित

10-18 फरवरी 2024

सुबह 11.00 बजे से शाम 8.00 बजे तक

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला

हॉल नंबर 5

प्रगति मैदान, नई दिल्ली



ओम जी उपाध्याय
सदस्य सचिव



रघुवेंद्र तंवर
अध्यक्ष



Indian Council of Historical Research

(Ministry of Education, Govt. of India)

Cordially invites you to its

Exhibition

Jammu, Kashmir & Ladakh: Through the Ages

A Visual Narrative of Continuities & Linkages



Inauguration by

Shri Dharmendra Pradhan

Hon'ble Union Minister for Education and
Skill Development & Entrepreneurship

Saturday, **10 February 2024**, 1.00 pm

On display:

10-18 February 2024

11.00 am to 8.00 pm

New Delhi World Book Fair

Exhibition Hall No. 5
Pragati Maidan, New Delhi

Om Jee Upadhyay
Member Secretary

Raghuvendra Tanwar
Chairman



जम्मू, कश्मीर एवं लद्दाख : सांस्कृतिक निरंतरता

Jammu, Kashmir & Ladakh: Through The Ages

A Visual Narrative of Continuities and Linkages



"Bharata shut into a separate existence by the Himalayas and the ocean has always been recognizably distinct from all others... it has wielded the most diverse elements into its fundamental unit..."

- Sri Aurobindo

To appreciate the context of this exhibition it is important to understand Bharat as a civilisational nation that has evolved over millennia. It is a culmination of several social, cultural and spiritual processes. Its people have spoken different languages, adopted varying cultural and social lifestyles and yet preserved an innate bonding resulting in a distinct collective identity.

For thousands of years sages, saints and pilgrims have traversed across Bharat. Kashmir has remained a key destination in such pilgrimages. This exhibition, through visuals and stories, seeks to contextualise Jammu, Kashmir and Ladakh from the earliest times to the present. It establishes how these regions have contributed to and flourished in the Bharatiya context.

"हिमालय एवं समुद्र से आबद्ध भारत आदिकाल से ही अपना एक विशिष्ट अस्तित्व रखता है... इस धरा ने अपने अंदर सर्वाधिक विविधता वाले तत्त्वों को समाहित किया है..."

- महर्षि अरविन्द

वस्तुतः भारत विश्व का प्राचीनतम जीवंत सांस्कृतिक राष्ट्र है, वह राष्ट्र जिसका वर्तमान स्वरूप हजारों वर्षों की एक अनवरत प्रक्रिया की परिणति है- वास्तव में यह अनेक सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संचेतना की पराकाष्ठा है। भारत के लोग भिन्न-भिन्न भाषाएँ बोलते हैं, विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक जीवन शैलियों का निर्वहन करते हैं, फिर भी, समस्त भारतवासी एक विशेष आत्मीय बंधन से बंधे रहते हैं और जिस कारण विश्व में भारत का एक विशिष्ट स्थान है।

आदिकाल से ही यहाँ के ऋषि-मनीषी, संत एवं श्रद्धालु सम्पूर्ण भारतवर्ष का भ्रमण करते रहे हैं, जिसमें कश्मीर परिक्षेत्र एक महत्वपूर्ण तीर्थ-स्थल रहा है। यह प्रदर्शनी दृश्य एवं कथानकों के माध्यम से जम्मू कश्मीर और लद्दाख के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक तत्त्वों तथा भारतीय संस्कृति के वैशिष्ट्य के निर्माण में इस परिक्षेत्र के अवदानों को प्रस्तुत करने का विनम्र प्रयास है।

